कोटद्वार, मंगलवार
8 जुलाई 2025
वर्ष: 47
अंक: 70 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

एक्सिडेंट में मारे गए व्यक्ति की तीन बाद भी पहचान नहीं हुई

देहरादून। आशारोड़ी इलाके में एक्सिडेंट में मारे गए व्यक्ति की तीन दिन बाद भी शिनाख्त नहीं हो गई। सोमवार को अज्ञात व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार कर दिया। क्लेमनटाउन थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि बीते तीन जुलाई को तड़के आईएसबीटी फ्लाईओवर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल एक व्यक्ति मिला। व्यक्ति की उम्र करीब 38 वर्ष थी। उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां हालत गंभीर बताने पर दून अस्पताल लेकर गए। दून अस्पताल में उपचार के कुछ घंटों बाद चार जुलाई को मौत हो गई। मौत होने तक व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई। इसके बाद भी पुलिस ने तीन दिन शिनाख्त के प्रयास किए। आसपास के थानों में इसकी सूचना दी गई। हालांकि, सोमवार तक भी शिनाख्त नहीं हुई। सोमवार को पुलिस ने पहले शव का पोस्टमार्टम कराया, इसके बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार किया। मृतक के दोनों हाथ पर टैटू बने हुए थे। एक हाथ मां और दूसरे पर शिव शंकर भी लिखा हुआ था।

बुजुर्ग महिला को रेलवे स्टेशन पर लूटा, केस दर्ज

हरिद्वार। सहारनपुर से ऋषिकेश जा रही बुजुर्ग महिला रहस्यमयी हालात में लापता हो गईं। इसके बाद देर रात वह हरिद्वार रेलवे स्टेशन के पास घायल अवस्था में मिलीं। महिला के पास से न तो मोबाइल मिला, न बैग और न ही कानों के कुंडल। पुलिस को आशंका है कि महिला को नशीला पदार्थ देकर लूटा गया है। जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नवादा रोड, सहारनपुर निवासी प्रमोद कुमार ने जीआरपी में दी गई तहरीर में बताया कि दो जुलाई की सुबह उनकी मां गणेशी देवी ऋषिकेश जाने के लिए घर से निकली थीं। सुबह वह बेटी सुनीता के घर हरिनगर नवादा रोड से रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुई थीं। देररात जब वह ऋषिकेश नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

कनखल में विवाहिता से दहेज न मिलने पर काटी नस, दीवार में सिर पटका

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में ससुराल वालों ने दहेज को लेकर विवाहिता को बेरहमी से पीटकर उसकी कलाई की नस काट दी। इसके बाद सिर दीवार से पटक कर जान से मारने की कोशिश की। राज्य महिला आयोग के निर्देश पर पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक कनखल की केशव कुंज कॉलोनी निवासी अंजना सैनी ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 28 नवंबर 2022 को डॉ. विपिन कुमार पांडेय से हुई थी। शादी के शुरुआती कुछ महीने ठीक रहे, लेकिन अप्रैल 2023 के बाद ससुरालियों का रवैया बदल गया। अंजना का आरोप है कि पहली बार ससुराल पहुंचते ही उसकी सास आशा देवी ने उससे अभद्र भाषा में बात की और मारपीट की कोशिश की।

जैगन नदी में मिले अज्ञात शव की हुई शिनाख्त, स्कूटी खाई में मिली

अल्मोड़ा। सेराघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत जैगन नदी में शुक्रवार को बरामद हुए एक अज्ञात शव की पहचान कर ली गई है। शव की बरामदगी के बाद पुलिस द्वारा उसे 72 घंटे तक मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया और सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से प्रचार–प्रसार कर परिजनों तक सूचना पहुंचाने का प्रयास किया गया। सोशल मीडिया के जरिये जानकारी मिलने पर परिजनों ने थानाध्यक्ष धौलछीना विजय नेगी से संपर्क किया। शव की पहचान विरेन्द्र छिपाल उर्फ बबलू (37 वर्ष), निवासी नाचनी, पिथौरागढ़ के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि विरेन्द्र सिंह 1 जुलाई को काठगोदाम से दोपहर 1:30 बजे स्कूटी से नाचनी के लिए रवाना हुआ था। सायं 4 बजे कैंची पहुंचने के बाद उसका फोन बंद आ रहा था। पुलिस द्वारा स्कूटी की तलाश में सर्च अभियान चलाया गया, जिसके तहत सोमवार सुबह स्थानीय लोगों को सेराघाट से लगभग तीन किलोमीटर दूर, देवी मंदिर के पास एक गहरी खाई में स्कूटी झाड़ियों और पेड़ों के बीच फंसी मिली। स्कूटी की भी परिजनों द्वारा पुष्टि की गई।

उत्तराखण्ड के 6 राजनैतिक दलों को चुनाव आयोग का नोटिस

– 6 साल से निष्क्रिय दलों को जारी किया गया नोटिस

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में उत्तराखण्ड में बीते 6 साल से निष्क्रिय 6 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ये सभी वे दल हैं जिन्होंने वर्ष 2019 से अब तक छह वर्षों में एक भी चुनाव में प्रतिभाग नहीं किया है और जिनके कार्यालयों का कोई भौतिक पता भी नहीं मिल पाया है। दलों को इस नोटिस का जवाब 21 जुलाई शाम 5 बजे तक कर दिया है। आयोग के निर्देशानुसार उत्तराखण्ड में वर्तमान में 42 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से कई दल ऐसे हैं जो पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों (आर यू पी पी) बने रहने की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, इस संबंध में उत्तराखण्ड के 6 ऐसे दलों की पहचान की गई है। इन दलों की अंतिम डीलिस्टिंग का निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा। देश में राजनैतिक दलों (राष्ट्रीय/ राज्यीय/ अमान्यता) का पंजीकरण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य इस पूरे अभ्यास में राजनैतिक व्यवस्था का शुद्धिकरण एवं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है।

इन दलों को दिया गया नोटिस

1. भारतीय जनक्रान्ति पार्टी – 12/17 चक्खुवाला, देहरादून
2. हमारी जनमन्च पार्टी – 1/12 न्यू चक्खुवाला, देहरादून
3. मैदानी क्रान्ति दल – मस्जिद वाली गली, माजरा, देहरादून
4. प्रजा मण्डल पार्टी – बर्थवाल निवास, शीतला माता मन्दिर मार्ग, लोवर भक्तियाना श्रीनगर, पौडी गढवाल
5. राष्ट्रीय ग्राम विकास पार्टी – 62 सिविल लाईन, रूडकी हरिद्वार
6. राष्ट्रीय जन सहाय दल – 112–न्यू कनॉट प्लेस, देहरादून।

अस्पताल की जगह ले गए श्मशान घाट: बेटों ने बैट से पीटकर पिता को मार डाला

हरिद्वार , सिडकुल थाना क्षेत्र में एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां झगड़े के दौरान बेटों ने ही बैट से पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। रात में ही चोरी से वाहन में शव को बिजनौर में ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया। सुबह इसकी सूचना मिली तो पुलिस ने पड़ताल शुरू की। मामले में मकान मालिक की तरफ से हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस की एक टीम आरोपियों की तलाश में बिजनौर रवाना की गई है। घटना रविवार की देर रात की है। जब रावली महदूद में किराए पर रहने वाले अशोक कुमार और उनके बेटे सचिन शिवम के बीच झगड़ा हो गया। आरोप है कि बेटों ने क्रिकेट खेलने वाले बैट से अपने पिता के सिर पर कई बार किया जिससे लहूलुहान होकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद दोनों मकान मालिक को पिता के घायल होने की बात कह कर अस्पताल ले जाने की जानकारी देते हुए शव को रात में ही वाहन में ले गए और सोमवार की सुबह बिजनौर में अपने गांव में पहुंचते ही चोरी छिपे अंतिम संस्कार कर दिया।

परिवहन निगम के बस बेड़े में इलेक्ट्रिक बसें जल्द होगी शामिल : धामी

• मुख्यमंत्री ने किया 20 नई वातानुकूलित यूटीसी मिनी (टेम्पो ट्रैवलर) का फ्लैग ऑफ

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित एक समारोह में उत्तराखण्ड परिवहन निगम द्वारा संचालित की जा रही 20 नई वातानुकूलित यूटीसी मिनी (टेम्पो ट्रैवलर) का फ्लैग ऑफ किया। इनमें से 10 टेम्पो ट्रैवलर वाहन देहरादून-मसूरी और 10 टेम्पो ट्रेवलर वाहन हल्द्वानी नैनीताल रूट पर चलेंगे। इससे नैनीताल- हल्द्वानी और देहरादून-मसूरी के बीच जाम की समस्या में भी कमी आयेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन निगम के बस बेड़े में जल्द ही इलेक्ट्रिक बसों का भी समावेश किया जायेगा, जिसके लिए बसों की खरीद की प्रक्रिया गतिमान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय से जीटीसी हेलीपैड तक टैम्पो ट्रेवलर से सफर भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सफल रही तो, इस तरह की सेवाओं की संख्या और बढ़ाई जायेगी। कहा कि वातानुकुलित टैम्पो ट्रैवलर राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इनसे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा की सुविधा मिल सकेगी तथा प्रदेश की आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाए। आज डिजिटल टिकटिंग, ऑनलाइन बुकिंग, ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सेवाओं द्वारा परिवहन विभाग जनता को सुलभ यात्रा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप लगातार तीन वर्षों से परिवहन निगम मुनाफे में है। कहा कि सरकार ने अपने कर्मचारियों और चालक-परिचालकों की कई समस्याओं का समाधान किया है। डीए में बढ़ोतरी करना हो, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना हो या निगम में भर्तियों के माध्यम से मानव संसाधन बढ़ाना हो, पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके कल्याण के लिए कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष उत्तराखण्ड परिवहन निगम एल. फैनई, एमडी परिवहन निगम श्रीमती रीना जोशी और परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मौसम खुलते ही 2500 यात्री केदारनाथ रवाना

रुद्रप्रयाग : जनपद में हो रही लगातार बारिश के चलते पुलिस यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा का संचालन कर रही है। सोनप्रयाग में बारिश और खराब मौसम के चलते सोमवार सुबह 10 बजे तक यात्री रोके रखे, जबकि इसके बाद मौसम ठीक होते ही 2500 यात्रियों को केदारनाथ के लिए रवाना किया गया। झमाझम हो रही बारिश से केदारनाथ हाईवे सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच कई जगहों पर मलबा गिरने से सुबह के वक्त बाधित हो रहा है। सोमवार को एनएच लोनिवि द्वारा बाधित स्थानों पर मलबा हटाया गया जिसके बाद हाईवे आवाजाही के लिए सुचारु हुआ। वहीं सोमवार को सुबह से हो रही बारिश के चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोके रखा। जबकि 10 बजे बाद मौसम खुलते ही 2500 यात्रियों को

सोनप्रयाग से केदारनाथ रवाना किया। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच संवेदनशील स्थानों पर पुलिस तैनात रही। यात्रियों को सुरक्षा व्यवस्था के बीच आवाजाही कराई गई। सोनप्रयाग कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यात्रा का संचालन किया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश के बीच सुबह जोखिम को देखते हुए यात्रियों को कुछ देर सोनप्रयाग में रोका जा रहा है जबकि मौसम खुलते ही यात्रियों को केदारनाथ भेजा जा रहा है। पुलिस यात्रियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान दे रही है। (एजेंसी)

पुलिस ने तीन लापता नाबालिगों को बरामद किया

रुद्रपुर। पुरानी गल्ला मंडी की रहने वाली दो 12 वर्षीय और एक 17 वर्षीय नाबालिग दिल्ली के लिए घर से निकली थी। इसके बाद वे लापता हो गईं। परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर उनको तलाशने करने की मांग की। पुलिस ने तीनों नाबालिगों को सकुशल बरामद कर संरक्षण में ले लिया है। पुरानी गल्ला मंडी निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने परिवार के साथ किराये के मकान में रहती है। बीते रविवार वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। इस दौरान उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री बैग में कपड़े लेकर जाने लगी। महिला के पुत्र ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने बताया कि वह पहले हल्द्वानी जाएगी। उसके बाद वह वहां से दिल्ली जाएगी और एक साल तक वापस नहीं आएगी। उसने अपनी पुत्री को तलाशना शुरू किया। इस दौरान उसे पता चला कि मकान मालिक की 12 वर्षीय नाबालिग पुत्री और पड़ोस में रहने वाली 12 वर्षीय एक अन्य नाबालिग भी उसके साथ गई है। महिला ने पुलिस से युवतियों को तलाशने की मांग की।

चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भूस्खलन की चेतावनी को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आज भी भारी बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर जिले में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के अन्य जिलों में भी तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले दिनों की बात करें तो 12 जुलाई तक प्रदेशभर में भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी को देखते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर चमोली जनपद के सरकारी, अर्द्धसरकारी विद्यालयों में आज अवकाश घोषित कर दिया गया है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि पिटकुल की 66 केवी की विद्युत लाइन में फाल्ट आने से ज्योतिर्मठ

क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बाधित है।

विकासनगर—कालसी—बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 50 सड़कें बंद

प्रदेश में बारिश के बाद जगह–जगह मलबा आने से दो राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 50 सड़कें बंद हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक देहरादून जिले में लखवाड़ बैंड के पास किलोमीटर 26 में मलबा आने से विकासनगर–कालसी–बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों की आवाजाही बंद है। जिले में तीन ग्रामीण सड़के भी बंद हैं। इसके अलावा उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग औजरी में बंद है। इस जिले में एक राज्यमार्ग और 11 ग्रामीण सड़के भी बंद हैं। रुद्रप्रयाग जिले में तीन ग्रामीण मार्ग, नैनीताल जिले में काठगोदाम–हैडाखान राज्यमार्ग, चमोली जिले में 13 ग्रामीण मार्ग, पिथौरागढ़ में सात, बागेश्वर में चार, पौड़ी में तीन और टिहरी जिले में दो ग्रामीण सड़के बंद हैं।

असदुद्दीन ओवैसी और किरेन रिजिजू के बीच जुबानी जंग

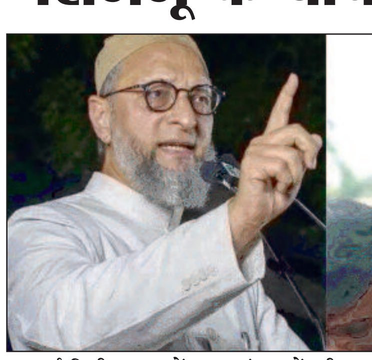

नई दिल्ली। भारत में अल्पसंख्यकों की हालत को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी भिड़ गए। किरने रिजिजू का कहना है कि अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों की तुलना में ज्यादा फायदे मिलते हैं और वे ज्यादा सुरक्षित हैं। इसके अलावा उन्होंने ये भी दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग पड़ोसी देश में पलायन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की कल्याणकारी योजनाएं सभी के लिए हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की योजनाएं अल्पसंख्यकों को अतिरिक्त लाभ भी देती हैं।" इस पर ओवैसी ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत के मुसलमान भारत में रहना इसलिए नहीं चुनते कि उन्हें सुविधाएं मिल रही हैं बल्कि इसलिए चुनते हैं क्योंकि वो अपने अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं।

कीर्तिवर्धन सिंह के पिता का निधन, सीएम योगी आदित्यनाथ ने जताया दुख

लखनऊ , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री आनंद सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम योगी के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक भावुक संदेश साझा किया गया है। इस पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दु:खद है। विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ? शांति। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद आनंद सिंह के निधन पर एक्स पोस्ट में लिखा, यूपी सरकार के पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद गोंडा निवासी राजा आनंद सिंह जी का निधन अत्यंत दु:खद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। भावभीनी श्रद्धांजलि।

भाजपा विधायक नितिन अग्रवाल ने एक्स पोस्ट में लिखा, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दु:खद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया को अमेरिका से लाया जाएगा भारत

14 से ज्यादा आतंकी वारदातों में शामिल

नई दिल्ली/चंडीगढ़ , पंजाब में सिलसिलेवार आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार कुख्यात गैंगस्टर और खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया को अमेरिका से भारत लाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान पंजाब में आतंक का चेहरा बन चुके हैप्पी को अप्रैल में अमेरिका के सैक्रामेंटो से हिरासत में लिया गया था। वह वर्तमान में अमेरिकी एजेंसी ढ्ढष्टश्व की कस्टडी में है। बीते 17 अप्रैल को हैप्पी पासिया को अमेरिका में कस्टडी में लिया गया था. एनआईए ने हैप्पी पासिया के सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उस

पर पंजाब में 14 से अधिक आतंकी घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है, जिनमें हैंड ग्रेनेड हमले, पुलिस थानों को निशाना बनाना और धमाकों की जिम्मेदारी लेने वाली सोशल मीडिया पोस्ट शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और खालिस्तानी आतंकी संगठनों जैसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल के संपर्क में था। वह भारत में खासतौर पर पंजाब में अस्थिरता फैलाने के मकसद से हमलों की साजिश रचता था। 2024–25 के दौरान पंजाब के कई जिलों में हुए ग्रेनेड धमाकों और आतंकी घटनाओं की कड़ी में हैप्पी का नाम सामने आया। कुछ प्रमुख घटनाएं:

24 नवंबर, 2024: अजनाला थाने के बाहर लगाया गया।

27 नवंबर: गुरबख्श नगर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला।

2 दिसंबर: स्क्र्स् नगर के काठगढ़ थाने में विस्फोट, तीन आतंकी गिरफ्तार।

4 दिसंबर: मजीठा थाने में विस्फोट, पुलिस ने टायर फटना बताया, पर बाद में विवाद।

13 दिसंबर: अलीवाल बटाला थाने पर ग्रेनेड हमला, पासिया ने जिम्मेदारी ली।

17 दिसंबर: इस्लामाबाद थाने में विस्फोट, डीजीपी ने आतंकी हमला माना।

19 जनवरी, 2025: गुमटाला पुलिस चौकी पर धमाका, बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी।

3 फरवरी: अमृतसर की चौकी पर हमला, पुलिस ने ग्रेनेड मानने से इनकार किया।

14 फरवरी: गुरदासपुर में पुलिसकर्मी के घर धमाका।

15 माच: ँअमृतसर के ठाकुर द्वारा मंदिर पर हमला, मुख्य आरोपी गुरसिदक सिंह मुठभेड़ में ढेर।

पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों से मिलकर पासिया के प्रत्यर्पण के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार किए हैं।

बदरीनाथ और जोशीमठ के बीच जल्द शुरू होगी हेली शटल सेवा

देहरादून। प्रदेश सरकार अब बदरीनाथ व जोशीमठ के बीच हेली शटल सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसे केदारनाथ की तर्ज पर संचालित किया जाना प्रस्तावित है। इससे यात्रियों को लाभ मिलेगा। पहले सरकार ने गौचर से बदरीनाथ के बीच हेली सेवा शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन यह शुरू नहीं हो पाई। अब शासन ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से बदरीनाथ व जोशीमठ के बीच शटल सेवा शुरू करने का अनुरोध किया है। साथ ही देहरादून से जोशीमठ, पिथौरागढ़ से धारचूला व धारचूला से मुनस्यारी के बीच हेली सेवा संचालन की अनुमति देने का भी प्रस्ताव सौंपा है। प्रदेश में चारधाम यात्रा के दौरान

हर वर्ष केदारनाथ के लिए हेली सेवाओं का संचालन किया जाता है। ये हेली सेवाएं गुप्तकाशी, फाटा व सिरसी से संचालित की जाती हैं। इसी तर्ज पर गत वर्ष बदरीनाथ के लिए हेली सेवा प्रस्तावित थी। इस कड़ी में हेमकुंड साहिब के लिए चल रही हेली सेवा को बीच अवधि में बदरीनाथ धाम के लिए भी संचालित करने का निर्णय लिया। इसके लिए टेंडर के साथ ही किराया दर भी तय की गई, लेकिन इसमें यात्रियों ने रूचि नहीं दिखाई। इसे देखते हुए इस मार्ग का एक बार फिर अध्ययन किया गया। इसके तहत इस सेवा को जोशीमठ से शुरू करने का निर्णय लिया गया। यहां से बदरीनाथ की दूरी कम है और इसके लिए यात्रियों को अधिक किराया भी नहीं देना पड़ेगा। यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को सौंप दिया गया है। केंद्र ने इस पर सकारात्मक रुख दिखाया है।

होशियारपुर के दसूहा में सड़क के बीच पलटी अनियंत्रित बस, 7 यात्रियों की मौत–24 घायल

दसूहा , पंजाब के होशियापुर के दसूहा में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा दसूहा के हाजीपुर रोड नजदीक सगरा अड्डा के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई और इस हादसे में अभी तक 7 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि बताया जा रहा है कि 24 के करीब लोग घायल हो गए हैं। घायलों को दसूहा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, अनियंत्रित बस के सड़क पर पलटने के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में अभी तक 7 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

किसानों के हित से नहीं करेंगे समझौता

ट्रेड डील पर भारत का रुख साफ; अब क्यों परेशान हो रहे ट्रंप?

नई दिल्ली। भारत व्यापार समझौते से जुड़े शुल्क को लेकर अपना रुख अमेरिका के सामने स्पष्ट कर चुका है। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत करने गए राजेश अग्रवाल वापस आ चुके हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप सरकार को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर से जुड़े किसान और छोटे कारोबारियों के हित से समझौता नहीं करेगा। इससे अमेरिका थोड़ा परेशान है। और अब फैसला अमेरिका को लेना है।

व्यापार शुल्क पर बदलते रहे हैं ट्रंप के रूख

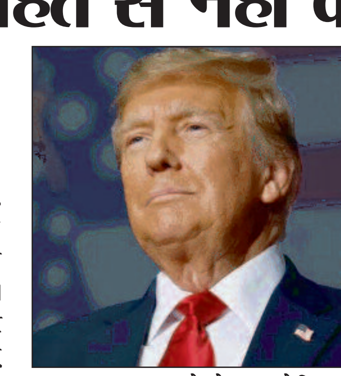

व्यापार शुल्क को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते रुख से भी सरकार से लेकर व्यापारी तक समझौते को लेकर कुछ भी भरोसे से कहने की स्थिति में नहीं है। अब पारस्परिक शुल्क के अमल को लेकर अमेरिका की सरकार सोमवार से विभिन्न देशों को पत्र भेजने का सिलसिला शुरू करने जा रहा है। हालांकि साथ में कुछ देशों के साथ व्यापार समझौते की बात भी ट्रंप के तरफ से कही गई है, लेकिन यह साफ नहीं है किन देशों के साथ अमेरिका समझौता करेगा और किन देशों के ऊपर पारस्परिक शुल्क लगाएगा। आठ जुलाई को पारस्परिक शुल्क के स्थगन की अवधि समाप्त हो रही है। पारस्परिक शुल्क अब एक अगस्त से लागू होगा। विभागीय मंत्री से लेकर व्यापार समझौता वार्ता से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी अब सिर्फ ट्रंप के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

कृषि सेक्टर में कोई समझौता नहीं चाहता है भारत

सूत्रों का कहना है कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर से जुड़े किसान और छोटे कारोबारियों के हित से समझौता नहीं करना चाहता है। इस बात से ट्रंप नाराज है और व्यापार समझौते में देर हो रही है।

सम्पादकीय

प्रतिबंधित नस्लों का चिन्हीकरण

अक्सर जानवर पालने का शौक आम नागरिकों के लिए खतरे का कारण भी बन जाता है। राजधानी देहरादून में एक दिल दहलाने वाली घटना में प्रतिबंधित नस्ल के कुत्ते ने सड़क पर चल रही बुजुर्ग महिला पर हमला कर दिया और उसे बुरी तरह से घायल कर दिया। गंभीर अवस्था में महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। इस घटना के बाद एक बार फिर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों के शौक को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कानून में भी कुछ विशेष नस्ल के कुत्तों को सार्वजनिक क्षेत्र में पालने के लिए प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन बावजूद इसके ऐसी नस्लों के कुत्तों को न केवल फार्म हाउस और कोठी बंगलों में ही नही बल्कि अब छोटे–छोटे घरों में भी पाला जा रहा है। कुत्तों की नस्लों को पालने के लिए नगर निगम में इनका लाइसेंस बनाना जरूरी होता है और लाइसेंस भी ऐसे कुत्तों के लिए जारी किया जाता है जो की प्रतिबंधित घोषित सूची में शामिलनहीं किए गए हैं और आम लोगों के लिए खतरनाक नहीं माने जाते। विडंबना यह है की नगर निगम द्वारा कभी ऐसा कोई सर्वे ही नहीं किया जाता जिससे कि पशु पालन एंवं डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा ऐसी प्रतिबंधित कुत्तों की नस्लों को चिन्हित किया जा सके। राजधानी देहरादून की इस घटना में भी कुत्ते के मालिक द्वारा ना तो उसका लाइसेंस लिया गया था और ना ही उसे उचित देखरेख में रखा गया था जिससे कि आमजन सुरक्षित रह सके। निश्चित तौर पर इसे कुत्ते के स्वामी की लापरवाही ही माना जा सकता है और इसी आधार पर कानून की धाराओं के अनुरूप मुकदमा दर्ज किया गया। जानवरों का शौक पालने वालों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि उनके जानवर ना तो सड़कों पर आवारा घूमें और ना ही किसी पर हमला कर पाए। नगर निगम को भी अभियान चलाना चाहिए जिसके तहत ऐसे प्रतिबंध नस्लों के जानवरों को चिन्हित कर उनके पलकों के खिलाफ करवाई की जाए।

हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है

हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निर्माता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा–बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं? उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून–पसीने की कमाई पर वसूल गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट्र (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है? फिर भी सयुंक्त राष्ट्र के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं। पर एक फिक्रजरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है।

विनीत नारायण

शेर बहुत हिंसक प्राणी है यह हम सब जानते हैं। पिछले हफ्ते हम केन्या के विश्व प्रसिद्ध मसाई मारा वन्य अभ्यारण्य में खुली जीप में घूमते रहे। सबसे रोमांचक क्षण वो थे जब हमारी जीप के तीन तरफ चार–पांच बब्बर शेर और शेरनी बैठे थे।

उनसे हमारी दूरी मात्र 10 फीट थी। वो हमें निहार रहे थे और हम उन्हें। वो तो बेफिक्र होकर अपने जिस्म चाट रहे थे और हमारी रूह कांप रही थी कि कहीं हमला न कर दें। हालांकि फारेस्ट गार्ड ने आस्त किया कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

हम न सिर्फ उन्हें आधे घंटे तक एकटक निहारते रहे, बल्कि जब वो उठ कर चल दिए तो हम भी धीमी गति से उनका पीछा करते हुए चलते रहे। उन्होंने फिर भी कोई उत्तेजना नहीं दिखाई। कमाल है कि जंगल का सबसे हिंसक पशु भी अपने अनुशासन की सीमा में रहना जानता है, और अपने को सभ्य समाज मानने वाले हम कितने हिंसक हैं कि वाणी से, क्रिया से और विचारों से हमेशा अपने समाज और पर्यावरण के प्रति हिंसा करते रहते हैं।

चाहे हमारे ये क्रियाएं आत्मघाती ही क्यों न हों। केन्या के उस सुनसान जंगल में बैठे–बैठे सोशल मीडिया पर समाचार मिला कि डोनाल्ड ट्रंप भी अब इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदने का मन बना रहे हैं। उधर, यूक्रेन और रूस का युद्ध बरसों से लगातार तबाही मचा ही रहा है, और इधर अब यह नया मोर्चा तैयार हो रहा है। क्या ये विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदम नहीं हैं? वैसे तो मानव समाज जब से संगठित हुआ होगा तब से युद्ध उसके जीवन का अंग बने होंगे। इतिहास आज तक हुए लाखों युद्धों की गाथाओं से भरा पड़ा है।

फिर भी मेरे मन में ये दार्शनिक प्रश्न आ रहा है कि इन युद्धों की शुरु आत करने वाले इतने जंगली क्यों होते हैं? क्या उन्हें नहीं दिखता कि युद्ध की विभीषिका में कितने बच्चे अनाथ हो जाते हैं, महिलाएं विधवा हो जाती हैं, बने–बनाए घर–मकान, विशाल भवन आदि सब ध्वस्त हो जाते हैं, युद्ध के गोले–बारूद से पर्यावरण जहरीला हो जाता है, अर्थव्यवस्थाएं लड़खड़ा जाती हैं, विकास अवरुद्ध हो जाता है, और आम जनता तबाह हो जाती है। फिर हर युद्ध के बाद युद्ध विराम होता है, और शांति वार्ताएं होती हैं।

अगर हर युद्ध की परिणति शांति वार्ता ही होनी थी तो फिर ये सब विध्वंस क्यों किया गया? हुक्मरानों से यह सवाल पूछने वाला कोई नहीं होता। सवाल पूछना तो दूर प्रायः आम जनता तो अपनी तबाही के लिए जिम्मेदार नेता की ही मुरीद हो जाती है। युद्ध के उन्माद में उसे मसीहा मान लेती है। जैसा जर्मनी की जनता ने किया। जो हिटलर की आत्महत्या के आखिर क्षण तक यही मानती रही कि वो उन्हें हर बला से बचा लेगा। एक अहमक के फितूर ने जर्मनी को तबाह कर दिया।

प्रायः हर देश में ऐसी मानसिकता वाले लोगों की कमी नहीं है, जो शस्त्र निर्माता लॉबी और भ्रष्ट, अहंकारी और आत्ममुग्ध, अति महत्त्वाकांक्षी अपने नेताओं के प्रोपोगैंडा के प्रभाव में आकर अपना अच्छा–बुरा देखने की क्षमता ही खो बैठती है। ट्रंप के समर्थक मतदाताओं का भी अमेरिका के चुनाव से पहले यही हाल था। मैं कभी सैन्य विज्ञान का विद्यार्थी नहीं रहा। इसलिए युद्धों के कारण की सैद्धांतिक व्याख्या करने का दुस्साहस नहीं करूंगा पर एक संवेदनशील आम नागरिक होने के नाते यह सोचने और पूछने का हक तो रखता ही हूं कि आखिर ये युद्ध किसके हित में होते हैं?

उस जनता के हित में तो बिल्कुल नहीं होते जिसके खून–पसीने की कमाई पर वसूले गए टैक्स के अरबों रु पये ऐसे युद्धों में फूंक दिए जाते हैं। सफेद हाथी की तरह बैठा सयुंक्त राष्ट्र (संघ) आज तक एक भी युद्ध नहीं रोक पाया। क्या कोई पुतिन, ट्रंप या तालिबानी नेता उसकी सुनने को तैयार है? फिर भी सयुंक्त राष्ट्र के नाम पर दुनिया में दशकों से नौटंकी चल रही है। आज इस लेख में समाधान प्रस्तुत करने वाला कोई विचार मेरे पास नहीं हैं।

पर एक फिक्र जरूर खाए जा रही है कि आज दुनिया एक अजीब दौर से गुजर रही है जहां अशांति तथा असुरक्षा और पर्यावरण का विनाश तेजी से बढ़ रहा है और मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही तेजी से घट रही है। डोनाल्ड ट्रंप को ही लें जिनके स्वागत में हमने पलक–पांवड़े बिछाए थे, वो अपने देश में घुसे अवैध भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में बांध कर वापस भेज रहे हैं जबकि दूसरे देशों के ऐसे लोगों को ससम्मान भेज जा रहा है। ट्रंप वहां रह रहे भारतीयों के वीजा खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। इससे डर कर कितने सफल युवा अमेरिका के अपने सपने को चूर–चूर होते देख घर लौट रहे हैं। दरअसल, ये हुक्मरान आम जनता को चैन से जीने नहीं देना चाहते। उसे हमेशा डरा–दबा कर रखना चाहते हैं।

इन सबसे तो जंगल का राजा शेर कहीं ज्यादा अमन पसंद है, जो अपना पेट भरने के बाद अकारण किसी पर हमला नहीं करता। हम तो उससे कहीं ज्यादा हिंसक हो चुके हैं। फिर भी ठहर कर सही और गलत पर सोचने का समय नहीं है आज हमारे पास। आज जब सूचना क्रांति ने पूरी दुनिया के लोगों को इस तरह जोड़ दिया है कि सैकंडों में सूचनाएं दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच जाती हैं, तब क्या युद्ध और पर्यावरण के विनाश को रोकने के लिए हर देश की जागरूक जनता सोशल मीडिया पर संगठित होकर ऐसे हुक्मरानों पर दबाव नहीं बना सकती जो इस विनाश के कारण बन रहे हैं? दुर्भाग्य से पिछले कुछ वषो में कई देशों में विरोध के स्वरों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

पहले ऐसा केवल तानाशाह या सैन्य सरकारों में होता था पर अब कुछ देशों की लोकतांत्रिक सरकारें भी विरोध के स्वरों को दबाने में हिचकती नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम न केवल उस देश की जनता को भोगने पड़ते हैं, बल्कि वो हुक्मरान भी जमीनी सच्चाई से कट जाते हैं, और चाटुकारों से घिर कर आत्मघाती कदम उठा लेते हैं, जैसा श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर किया था।

बाद में उन्हें चुनावों में जनता का कोप भाजन बनना पड़ा था। इसलिए हर लोकतांत्रिक सरकार को विरोध के स्वरों को मुक्त रूप से सामने आने देना चाहिए। इससे उसे अपनी हकीकत जानने का मौका मिलता है।

युद्ध की दिशा अचानक ईरान की ओर

इजरायल और फिलस्तीन के बीच युद्ध का दौर एक सदी से भी पुराना है। पिछले वर्ष भी यह जारी था। इजरायल बराबर गाजा पर हमले कर रहा था। अचानक इस युद्ध की दिशा मुड़ जाती है।

इजरायल फिलस्तीन से टकराव को छोड़ कर अचानक ईरान की ओर मुड़ जाता है। फिर 13 जून को ईरान पर जबर्दस्त हवाई हमला करता है। सवाल उठता है कि यह इतना अचानक क्यों? विचारणीय बात यह है कि इजरायल क्यों इतनी खूंरेजी पर आमादा हो गया। उसकी एयर स्ट्राइक का पहला निशाना ईरान के परमाणु क्षेत्र और परमाणु वैज्ञानिक थे। सेनाधिकारियों के अलावा ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए। तो क्या इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु अनुसंधान रोकना है। अगर ईरान परमाणु हथियार बनाने के अनुसंधान में लगा है, तो इससे इजरायल का क्या नुकसान है?

इस सवाल का जवाब तलाश करने के लिए हम एक बार फिर लौटते हैं इजरायल–फिलस्तीन युद्ध की ओर। इस युद्ध का जनक ब्रिटेन था। उसने ही इजरायली और फिलिस्तीन के मुसलमानों के बीच जंग शुरू कराई। इजरायल में रहने वाले यहूदी मतावलंबी मुसलमानों से वैर मानते हैं। छोटा–सा इजरायल इसी कारण सारे मुस्लिम देशों से वैरभाव रखता है। ईरान भी उनमें एक है, और उसका पड़ोसी मुल्क है। अगर ईरान परमाणु शक्ति संपन्न हो जाता है तो निश्चित रूप से इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। जाहिर है कि ऐसे में इजरायल उसे हर हाल में इस कोशिश से विफल करना चाहेगा।

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंचाने के लिए कई बार गुप्त हमले किए। इनमें ईरानी परमाणु कार्यक्रम के जनक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या तक करा डाली लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम रु का नहीं। इजरायल बराबर प्रयास करता रहा। संयुक्त राष्ट्र में हिज्बुल्लाह–हमास विरोधी अभियानों का तो समर्थन किया गया था, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह करने के प्रयासों पर वीटो के जरिए रोक लगा दी गई। ऐसे में इजरायल को इंतजार था सही वक्त का और वह वक्त मिला उसे अमेरिका की सत्ता पर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के आने पर। अमेरिका भी ईरान पर परमाणु संधि के लिए दबाव डाल रहा है। इजरायल के हमले से दोनों के लक्ष्य सधते प्रतीत हो रहे हैं।

इस संधि के लिए ही ईरान पर दबाव बनाने के लिए इजरायल ने हमला बोला है। दरअसल, यह टकराव सिर्फ ईरान और इजरायल का नहीं है। बेशक, मोर्चे पर ये दोनों देश हैं, लेकिन इनकी सरपरस्ती अलग–अलग देश कर रहे हैं। जब से ट्रंप अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उनका सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा चौधरी बनने का है। रूस–यूक्रेन टकराव हो, भारत–पाक टकराव या अब ईरान–इजरायल टकराव, हर जगह चौधरी बनना चाहते हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध रोकने में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। कारण भी साफ है। रूस अमेरिका से कमजोर नहीं है, और रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन न तो अलग यूक्रेन को मान्यता देंगे और न ही इस बारे में ट्रंप की कोई बात मानेंगे। रही भारत–पाक टकराव के बाद सीजफायर की बात उसमें भी वह अब तक 17 बार दावे कर चुके हैं कि उनके कहने पर ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ।

इसके उलट ट्रंप को पाकिस्तान से इसलिए प्यार है कि पाकिस्तान को अड्डा बना कर ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से रूस का वर्चस्व समाप्त कराया। अब चीन और भारत, दोनों को दबा कर ट्रंप एशिया महाद्वीप में अपनी धाक कायम रखना चाहते हैं। जहां तक इजरायल और ईरान की बात है, वहां भी चौधरी बनने के लिए ट्रंप ने साफ–साफ कहा है कि हमने जो भारत–पाकिस्तान में कराया वही ईरान–इजरायल टकराव में भी कराएंगे। इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना है, और इसे शह दी है ट्रंप ने। इजरायल के हमले में ईरान की जो क्षति हुई है, वह इस बात का ताजा सबूत है। 13 जून को इजरायल ने ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयनङ्ग शुरू किया और इसके तहत ईरान में कई जगहों पर बड़े हमले किए।

भारत का आम नवाबी, जुनून का प्रतीक रहा है जो इसे खास बनाता है

अजय दीक्षित

सन 1811में पुर्तगाली कमांडर अल्फांसो ने आम की एक किस्म रत्नागिरी जिले के जंगलों देखी और उसने उस आम के किस्म ग्राफ्टिंग की तो जो आम पेड़ पर लगा उसे अल्फांसो नाम दिया गया। अंतराष्ट्रीय मार्केट में इस आम की कीमत 3000रुपए प्रति किलो तक बिकती है। लेकिन भारत में आम की उपस्थिति 6000 साल से है क्योंकि महाभारत काल में इसका उल्लेख है। बताया जाता है कि ईसा से 600 वर्ष पहले भगवान बुद्ध को एक युवती ने आम का बगीचा भेंट किया था और बुद्ध ने उसे आम्रपाली नाम दिया ।मुगल शासन में अबु फ़सल ने लिखा था कि सलीम लंगड़े पर मत रो वह भी खास होकर आम है। इस तरह लंगड़ा भी आम की एक किस्म है । इंस्टीट्यूट ऑफ पाइलियों बॉटनी लखनऊके प्रोफेसर पंत कहते हैं कि भारत में आम की उत्पत्ति का इतिहास बहुत पुराना है लेकिन मुगल शासन में आम को खूब संरक्षण मिला । उत्तर प्रदेश का मलीहाबादी , लखनवी, बनारसी, आम सुप्रसिद्ध है। दशहरी गांव से चला आम आज पूरे भारत का सबसे अधिक उत्पादन वाली आम की किस्म है। भारत में टोटपरी, दशहरी,लंगड़ा, केसर,बादाम,फाजली और मुगल बादशाह हुमायूं का चौसा, सफेदा, अल्फांसो, हापुश,सहित किस्मों के आम पाए जाते हैं।आम से आमरस, आमचूर, मांगोसेक, आम पापड़ बनाए जाते हैं।आम का आचार इस पद्धति का उपयोग सारे भारत में किया जाता है। बताया जाता है कि ब्रिटिश ने भारत के आम को पहले इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मिडिल ईस्ट में पहुंचा दिया था। भारत में लखनऊ और दक्षिण भारत विजय वाडा बहुत बड़े आम केंद्र हैं।असम, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक,भी आम की अनेक किस्में उत्पादन करते हैं।यहां पर पूरे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना,से आम आते है भारत संसार सबसे बड़ा आम उत्पादन 3 0 लाख मैट्रिक टन वाला देश है। इसके अलावा आम किस्म भारत के हर जिले में होती है।जो स्थानीय स्तर पर बिकती है, आचार डाला जाता है और तो और औषधि मेभी उपयोग किया जाता है।

आमिर खान की साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री

सितारे जमीन पर के बाद, आमिर खान रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कूली में कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. बॉलीवुड सुपरस्टार अपनी तमिल डेब्यू फिल्म में दाहा का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक रिलीज कर दिया है और इंटरनेट पर लोग इसे देखकर हैरान रह गए. आमिर खान का ब्लैक बनियान पहने, स्टाइलिश स्वैग से सिगार पीते हुए, धांसू लुक इंटरनेट पर छाया हुआ है. यह किरदार उनके हाल के वर्षों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग लुक है. एक्स पर पोस्ट की गई एक मोनोक्रोम तस्वीर में उनका साइड प्रोफाइल लुक जिसमें वे चश्मा पहने हुए हैं, शेयर किया गया है. इसके साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा, कूली की दुनिया से आमिर खान को दाहा के रूप में पेश करते हुए कूली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है.कूली से सामने आए आमिर के इस लुक ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. दर्शकों को आमिर का यह लुक खूब पसंद आ रहा है. एक यूजर ने कमेंट किया, आमिर का यह मास अवतार वाकई कमाल का है. एक ने लिखा, क्या स्वैग है. एक ने कमेंट किया, क्या एटीट्यूड और स्वैग है, दाहा के लिए एकदम परफेक्ट. एक ने कमेंट किया, यह फिल्म एकदम ब्लॉकबस्टर होने वाली है. हाल ही में आमिर ने रजनीकांत में अपने होने की पुष्टी की थी, उन्होंने बताया था कि वह इस फिल्म को करने के लिए इसलिए माने क्योंकि वे रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं. कूली में उनके कैमियो के बारे में एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा, मुझे यह करने में बहुत मजा आया.

भारतीय एथलीट्स ने रचा इतिहास, अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने ट्रैक एंड फील्ड में तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्लीभारतीय एथलेटिक्स के प्रशंसकों को शानदार खबर मिली, जब भारत के दो धावक (रेसर) अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने शानदार प्रदर्शन किया. अफसल ने ग्रीस में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिले मीटिंग में 10.18 सेकंड के शानदार समय के साथ 100 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अफसल ने भी अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया.

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अफसल ने पोलैंड में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:44.96 मिनट का समय निकाला. वह 1:45 मिनट से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय भी बन गए. 22 वर्षीय कुजूर 100 मीटर स्पर्धा की दूसरी हीट में दौड़ते हुए 10.20 सेकंड से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय बन गए. इस समय के साथ उन्होंने ग्रीक राजधानी एथेंस के उपनगर वारी में मीट में 100 मीटर की दौड़ का 10.20 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया. ग्रीस के सोटिरियोस गारगैनिस (10.23 सेकंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे. कुजूर के पास अब 100 मीटर और 200 मीटर दोनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं. उन्होंने दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फाइनल में 20.32 सेकंड का समय निकाला था और इस साल की शुरुआत में आयोजित फेडरेशन कप में बनाए गए 20.40 सेकंड के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था. अफसल ने पोलैंड में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा. हांग्जो में 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता ने 1:44.96 मिनट का समय दर्ज किया और इवेंट के हीट ए/1 में छठे स्थान पर रहे. मई में 29 वर्षीय ने 1:45.61 सेकंड का समय दर्ज किया था, जो 2018 में जिनसन जॉनसन द्वारा बनाए गए 1:45.65 सेकंड के सात साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पार कर गया था. उन्होंने दुबई में यूएई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स के दौरान यह रिकॉर्ड बनाया. ग्रीस में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिले मीटिंग में मैसीज वाइडरका 1:44.23 सेकंड के समय के साथ 100 मीटर में पहले स्थान पर रहे. फिलिप ओस्ट्रोव्स्की (1:44.25 सेकंड) और पैट्रिक सिएराडज़्की (1:44.56 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे.

ट्रोलर्स पर भड़की उर्फी जावेद, बोलीं नफरत नहीं रोक पाएगी

करण जौहर का शो द ट्रेटर्स जीतने के बाद, उर्फी जावेद ट्रोलर्स के निशाने पर हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए बताया है कि कैसे उन्हें कुछ लोगों से धमकियां और अपमानजनक मैसेज मिल रहे हैं.उर्फी ने इंस्टाग्राम पर ट्रोलर्स के मैसेज के स्क्रीनशॉट्स पोस्ट करते हुए लिखा, जब आपको कोई लड़की पसंद नहीं आती, तो बस आप उसके लिए आर शब्द छोड़ देते हैं. ऐसा पहली बार नहीं हो रहा जब मुझे इस तरह से धमकियां या गाली मिल रही है, लेकिन इस बार यह मेरे कपड़ों की वजह से नहीं बल्कि मेरे शो जीतने की वजह से हो रहा है. जब आपका मनपसंद खिलाड़ी नहीं जीतता, तो आप गाली देने लगते हो. ये मेरे अपलोड किए गए अच्छे वीडियो हैं, मैं चाहे कुछ भी कर लूं, लोगों को बस नफरत फैलाना और गाली देना पसंद है. अगर हर्ष को शो से न निकालती तो प्यार में अंधी, हर्ष को निकाल दिया तो धोखेबाज. पूरब को जीतने देती तो बेवकूफ, जीतने नहीं दिया तो धोखेबाज. नफरत ने मुझे पहले कभी नहीं रोका और न अब रोक पाएगी.

कृष 4 में 3 अलग–अलग भूमिका निभा रहे ऋ तिक रोशन

जब से ऋतिक रोशन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी कृष की चौथी किस्त की घोषणा की है, प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। खास बात यह है कि कृष 4 के निर्देशन की कमान ऋतिक खुद संभाल रहे हैं। इस फिल्म के जरिए वह मनोरंजन जगत में बतौर निर्देशक कदम रखने जा रहे हैं। ऋतिक फिल्म में अभिनय भी करेंगे। अब ताजा खबर यह है कि कृष 4 में ऋतिक का डबल नहीं, बल्कि ट्रिपल रोल होने वाला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृष 4 में ऋतिक तीन अलग–अलग किरदारों के जरिए अपनी उम्दा अदाकारी का दमखम दिखाते नजर आएंगे। एक सूत्र ने कहा, योजना यह है कि कृष को एक बड़े खतरे को खत्म करने के लिए अलग–अलग समय सीमाओं, अतीत और भविष्य में लाया जाएगा।

नेशनल आइस स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 में लद्दाख का जलवा

–13 पदक जीतकर पहली बार तीसरे स्थान पर किय कब्जा

लेह, लद्दाख, धैर्य, शालीनता और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन करते हुए लद्दाख के युवा एथलीटों ने देहरादून में आयोजित 20वीं नेशनल आइस स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 में 13 पदक जीते.

राज्यों और 450 से अधिक एथलीटों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए, लद्दाख ने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक जीते, जिससे उनको खेलो इंडिया सर्किट के बाहर राष्ट्रीय रैंकिंग में पहली बार तीसरा स्थान मिला. इस जीत के पीछे महीनों की कड़ी ट्रेनिंग, दृढ़ अनुशासन और एक सपना छिपा है जो अब अंतरराष्ट्रीय मंच के करीब स्केटिंग कर रहा है. लद्दाख आइस स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष और चीन के हार्बिन में होने वाले 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों (2025) के लिए टीम इंडिया के कोच मोहम्मद अब्बास नॉर्डख ने टीम के उल्लेखनीय प्रदर्शन पर अपनी खुशी का इजहार किया. उन्होंने कहा, फिगर स्केटिंग में, हमारे पास लद्दाख का प्रतिनिधित्व करने वाली सात लड़कियां थीं, जिनमें से ज्यादातर जांस्कर से और एक लेह से थी और दो अधिकारी थे, स्पीड स्केटिंग के लिए, हमारे पास 14 खिलाड़ी और दो अधिकारी थे, जिससे लद्दाख आइस स्केटिंग टीम में कुल 25 सदस्य बन गए. इस टीम ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का प्रतिनिधित्व किया और ऐतिहासिक पदक जीता. पहली बार, लद्दाख ने खेलो इंडिया ढांचे के बाहर, राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कुल पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया. कड़ी प्रतिस्पर्धा पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा, पूरे भारत से कुल 21 राज्यों ने भाग लिया और 450 से ज्यादा स्केटर्स ने प्रतिस्पर्धा की, जिससे यह एक चुनौतीपूर्ण आयोजन बन गया. लेकिन हमारे खिलाड़ियों ने हर श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस अवसर पर अपनी पूरी ताकत लगाई. मैं अपनी टीम की उपलब्धियों से वाकई खुश हूं.

एक नजर

प्रतियोगिता में निष्कर्ष त्रिपाठी व अनुज भंडारी रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यूनिकस एकेडमी में अंग्रेजी निबंध लेखन व कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जसवंत सिंह रावत हाउस के निष्कर्ष त्रिपाठी व वीर चंद्र सिंह गढ़वाली हाउस के अनुज भंडारी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक अभय रावत व प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा ने किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हमें लक्ष्य तय कर पूरी मेहनत से उसे पाने में जुट जाना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रतिदिन कुछ नया सीखना चाहिए। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, भाषा कौशल व आत्मविश्वास को बढ़ाना है। प्रतियोगिता माता-पिता, शिक्षक व पुस्तकें विषय पर आधारित थी। इस दौरान कहानी प्रतियोगिता में जसवंत सिंह रावत हाउस के निष्कर्ष त्रिपाठी, अंग्रेजी निबंध लेखन प्रतियोगिता में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली हाउस के अनुज भंडारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तहसील दिवस स्थगित

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : पंचायत चुनाव के मद्देनजर जिले में लागू आदर्श आचार संहिता के चलते मंगलवार को विकासखंड पोखरी में आयोजित होने वाला तहसील दिवस/जनता मिलन कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को आगामी आदेश तक स्थगित किया जाता है। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है।

श्रीमद भागवत कथा 25 जुलाई से

रुद्रप्रयाग : वर्ष 2013 की आपदा में केदारनाथ धाम में मृत यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए बदरी-केदार मंदिर समिति एवं केदारसभा श्रीमद भागवत कथा का आयोजन कर रही है। 25 जुलाई से 1 अगस्त तक होने वाली कथा में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि केदारनाथ धाम वर्ष 2013 की आपदा में मृत सभी लोगों की आत्मा की शांति के लिए 25 जुलाई से 1 अगस्त तक श्रीमद् भागवत कथा होगी। इस आयोजन में जो भी यात्री पहुंचेंगे उनकी समस्त व्यवस्थाएं केदार सभा और बीकेटीसी द्वारा की जाएंगी। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री से की समस्याओं के निराकरण की मांग

रुद्रप्रयाग : जखोली ब्लॉक की कई समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कमलेश उनियाल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम से शीघ्र समस्याओं पर कार्यवाही की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात में कमलेश उनियाल ने कहा कि क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण आपदा की स्थिति पैदा हुई है। जखोली ब्लॉक के कुणगाड़ गदेरे के उफान पर आने से पौंठी-मुनियाघर के बीच बना मोटर पुल पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है, जिससे बांगर पट्टी के दो दर्जन से अधिक गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट गया है। इसके अलावा जखवाड़ी, तल्ली थापला सहित कई गांवों में भूधंसाव की घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे आवासीय भवनों को भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

शांति भंग करने के आरोप में चार युवक गिरफ्तार

चमोली : सार्वजनिक स्थान पर विवाद कर रहे चार लोगों के खिलाफ कर्णप्रयाग पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में नीरज बिष्ट ग्राम कंडारा, सुमित नेगी निवासी सोनला, गौरव सिंह निवासी बरमोली, सूरत सिरोला निवासी आईटीआई कर्णप्रयाग को गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग के समक्ष प्रस्तुत किया।

टूटे चैंबर व गड्ढों से बढ़ा खतरा, नींद में सरकारी सिस्टम

कोटद्वार क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में क्षतिग्रस्त पड़े हैं चैंबर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगता है कोटद्वार नगर निगम को जन सरोकार से कोई सरोकार नहीं रह गया है। प्रत्यक्ष प्रमाण इस बात से लगाया जाता है कि नगर निगम के विभिन्न वार्डों में क्षतिग्रस्त चैंबर की अब तक मरम्मत नहीं करवाई गई है। यही नहीं, एक वर्ष बीत जाने के बाद भी झंडाचौक व नगर निगम कार्यालय के मध्य पंजाब नेशनल बैंक के समीप हाईवे पर बने गड्ढे की मरम्मत भी नहीं हुई। ऐसे में राहगीरों को हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। निगम की लापरवाही कब किसकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

कोटद्वार के झंडाचौक के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना गड्ढा

बीते वर्ष पांच जुलाई को हुई बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क धंस कर बड़ा गड्ढा बन गया था। राहगीर गड्ढे की चपेट में आने से चोटिल न हों, इसके लिए आसपास के व्यापारियों ने इसके आसपास पत्थर रख दिए थे। लोगों ने गड्ढे को बंद करने के लिए नगर निगम व स्थानीय प्रशासन को सूचना दी। लेकिन, एक वर्ष बीत जाने के बाद भी नगर निगम ने इस गड्ढे पर ध्यान नहीं दिया। नतीजा, आज भी गड्ढा राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है। गड्ढे के नीचे से एक नाला भी गुजर रही है। वर्षा होने पर नाले में तेज पानी भी बहता है। ऐसे में यदि कोई बच्चा या बुजुर्ग गड्ढे में गिरा तो एक बड़ा हादसा हो सकता है। यही नहीं, सड़क पर पानी भरने के दौरान गड्ढा नजर भी नहीं आता। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम विकास के बड़े-बड़े दावे कर रहा है। लेकिन, एक गड्ढे तक की मरम्मत तक नहीं हो पाई है। स्थिति देखकर लगता है कि नगर निगम किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

चुनौती बन रहे टूटे चैंबर

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां आपको नाली के ऊपर क्षतिग्रस्त चैंबर न दिखाई दें। सबसे बुरी स्थिति सिताबपुर, मानपुर व भाबर के विभिन्न वार्डों में बनी हुई है। कई स्थानों पर तो नाले से चैंबर पूरी तरह गायब हो चुके हैं। वर्षा काल में बहने वाली नालों में यदि कोई गिरा तो उसकी सांसें थमना तय है।

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति जारी करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बीएड प्रशिक्षित युवा संघ प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने प्रदेश सरकार से राजकीय इंटर कालेजों में प्रवक्ता भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति जारी करने की मांग की है। सोमवार को यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि राज्य लोक सेवा आयोग ने पूर्व में प्रवक्ता भर्ती का विज्ञापन जारी किया था, लेकिन नियमावली में संशोधन के चलते विज्ञापन को निरस्त करना पड़ा था। इसलिए अब विज्ञप्ति को जारी किया जाना चाहिए। कहा कि बड़ी संख्या में युवा विज्ञप्ति जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। मौके पर उन्होंने अशासकीय इंटर कॉलेजों में भी भर्ती प्रक्रिया खोलने और इन विद्यालयों में भर्ती आयोग के माध्यम से कराने सहित भर्ती में पूर्व की भांति अधिकतम आयु सीमा को समाप्त करने की मांग भी की।

जड़ी-बूटियों की खेती ग्रामीणों की आजीविका को बनाएगी मजबूत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियों की खेती अब ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत बनाएगी। जिले में भी किसान जड़ी-बूटी की खेती में रुचि ले रहे हैं। थलीसैंण ब्लॉक के सिरतोली, मरोड़ा, पडाल, दौला व मरखोला गांवों में ग्रामीण किसान एक-एक हेक्टयर में कुटकी व कूठ की खेती करेंगे। वैज्ञानिक डा. जयदेव चौहान ने बताया कि पूर्व में सिरतोली गांव में जड़ी-बूटी के कृषिकरण को लेकर सर्वेक्षण किया गया था। सर्वे के आधार पर सिरतोली की आबोहवा कुटकी और कूठ की खेती के लिए मुफीद पाई गई थी। जिसके बाद आसपास के अन्य गांवों के ग्रामीणों ने भी जड़ी-बूटी की खेती में दिलचस्पी दिखाई है। जो बहुत उत्साहित करने वाला है। बताया कि प्रत्येक गांव में एक-एक हेक्टेयर में जड़ी–बूटी की यह खेती ट्रायल के आधार पर की जाएगी। जिसका परिणाम आगामी एक साल के भीतर मिलेगा।

थलीसैंण ब्लॉक के सिरतोली, मरोड़ा, पडाल, दौला व मरखोला गांवों में ग्रामीण किसान ट्रायल के आधार पर एक-एक हेक्टयर में कुटकी व कूठ की खेती करेंगे। इसके लिए ग्रामीणों को कुटकी के 20 हजार और कूठ के 1500 पौध वितरित की गई है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक) के निदेशक डा. विजयकांत पुरोहित के दिशा-निर्देशन में राठ महाविद्यालय पैठाणी में औषधीय पादपों के कृषिकरण पर कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

हैप्रेक के वैज्ञानिकों ने किसानों को कुटकी और कूठ जड़ी-बूटी के कृषिकरण, उत्पादन, संवर्द्धन संरक्षण और विपणन की जानकारी दी। साथ ही किसानों को जड़ी-बूटी की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर वैज्ञानिक डा. सुदीप सेमवाल ने कहा कि वर्तमान समय में गांवों में जंगली जानवरों के आंतक से ग्रामीण परेशान है, ऐसे में जड़ी-बूटी की खेती कृषकों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

14 जुलाई से शुरू होगी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश विवरणिका और शैक्षणिक कैलेंडर सोमवार को विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने जारी किया।

कुलपति सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि सत्र 2025-26 स्नातक कक्षाओं में प्रवेश सीयूईटी के मैरिट के आधार पर दिये जायेंगे। जबकि स्नातकोत्तर स्तर की प्रवेश परीक्षा 14 से 17 जुलाई तक आयोजित की जायेगी। जो कि बिड़ला परिसर श्रीनगर, बीजीआर पौड़ी, एसआरटी बादशाहीथौल, टिहरी के अतिरिक्त रुड़की, हरिद्वार एवं देहरादून में होगी। प्रो. सिंह ने बताया कि गढ़वाल विवि और उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश भारत सरकार के समर्थ पोर्टल के जरिए किए जायेंगे। बताया कि सीयूईटी यूजी 2025, यूईटी 2025, एनसीईटी 2025, इंटीग्रेटेड बीएड कार्यक्रम आइटेप में सम्मिलित छात्रों को समर्थ पोर्टल में पंजीकरण करना होगा। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि नवीन सत्र में नवीन प्रवेशार्थियों को दीक्षारम्भ के तहत पाठ्यक्रम, परिसर में होने वाली गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। बताया कि गढ़वाल विवि के पाठ्यक्रमों के साथ ही प्रथम बार दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित किये जायेंगे। साथ ही जो छात्र स्नातक पाठ्यक्रमों में तीन वर्ष पूर्ण करने के बाद चार वर्षीय पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) से निकास करना चाह रहे हैं, इसका भी प्राविधान विवरणिका में दिया गया है। बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2024-25 का परीक्षाफल भी शीघ्र घोषित कर दिया जायेगा। (एजेंसी)

पौधा रोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

कोटद्वार : श्री गुरु गोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति की ओर से जगदेव बाबा मंदिर परिसर और कण्वाश्रम स्थित गुरुकुल महाविद्यालय परिसर में पौध रोपण अभियान चलाया गया। अभियान में लैंसडौन वन प्रभाग ने भी अपना सहयोग दिया। इस दौरान सदस्यों ने पौधा रोपण के साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों ने सतीचौड़ स्थित जगदेव बाबा मंदिर परिसर व कण्वाश्रम स्थित गुरुकुल महाविद्यालय परिसर में आंवला, नीम, जामुन, अनार, अर्जुन, देवदार के पौधों का रोपण किया। तत्पश्चात छायादार, फलदार व औषधीय पौधों का भी रोपण किया गयाा। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के बिना हम धरती पर जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधा रोपण करना चाहिए। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पंत, महासचिव सतीश चंद्र शर्मा दिनेश चंद्र घिल्डियाल, नरेश कुमार, राहुल चमोली, उमानंद बडोला, केसीराम निराला, अशोक नेगी, प्रकाश हेमदान, एसएन पोखरियाल मौजूद रहे।

शहीदों के परिवार जनों को किया सम्मानित

17 गौरव सैनानी समिति की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 17 गौरव सैनानी समिति की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कारगिल के शहीदों के परिवार जनों को सम्मनित किया गया। साथ ही पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया। निंबूचौड़ स्थित एक बारात घर में कैप्टन जगदीश प्रसाद पोखरियाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कर्नल एके शर्मा व अन्य लोगों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्हें अपनी सेना पर नाज है। सेना की बदौलत ही आज देश का प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। कहा कि हमें अपने बच्चों को सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते पूर्व सैनिक व अन्य

कहा कि पूर्व सैनिकों को देश की सेवा के साथ समाज सेवा में भी अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बलिदानी हवलदार मदन सिंह की पत्नी जीना देवी, युद्ध में घायल हुए सेवानिवृत्त कैप्टन जगदीश प्रसाद पोखरियाल व प्रेम सिंह को सम्मानित किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। बटालियन को वैटल आफ बटालिक व थियेटर आफ कारगिल से भी सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि देश सेवा के लिए बटालिन को एक वीर चंद्र, तीन सेना मैडल, तीन सीओ, एएस से का भी सम्मान मिला था। कार्यक्रम का समापन 'बढ़े चलो गढ़वालियो, बढ़े चलो..', गीत से किया गया। इस मौके पर सेवानिवृत्त कैप्टन जगदीश प्रसाद पोखरियाल, कैप्टन सतेंद्र सिंह नेगी, सुबेदार ठाकुर सिंह, श्रीधर प्रसाद केष्टवाल, शिव प्रकाश चमोली, दयानंद भट्ट आदि मौजूद रहे।

कंपनी में जमा रकम नहीं मिलने पर प्रदर्शन

कोटद्वार तहसील में प्रदर्शन करते एलयूसीसी ठगी पीड़ित जन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिप्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) में रकम निवेश के बाद रकम वापस नहीं मिलने पर निवेशकों ने आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जल्द रकम वापस दिलवाने की मांग उठाई।

सोमवार को लोगों ने तहसील परिसर में पहुंचकर कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुरेश सिंह व जयपाल सिंह ने कहा कि कंपनी संचालकों ने पहले तो सभी जमाकर्ताओं को भरोसे में लिया। लेकिन, जब कंपनी में बड़ी रकम जमा हो गई तो अचानक उन्होंने अपने कार्यालयों को बंद कर फरार हो गए। कहा कि अकेले कोटद्वार से ही सैकड़ों लोगों का 26 करोड़ की धनराशि कंपनी में जमा है। यही हाल प्रदेश के अन्य शहरों का भी है, जहां पर पीड़ित अपनी जमा रकम को वापस करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है। इस मौके पर राजेंद्र सिंह नेगी, बिजेंद्र सिंह, शोभा, दीपा, सीमा देवी, कंचन, अंजू, सुरेंद्र मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव : मतदान की तैयारियां शुरू

पौड़ी : पंचायत चुनावों को लेकर मतदान के लिए भी तैयारियां शुरू हो गई। जिले में करीब साढ़े हजार कार्मिक पंचायत चुनावों में तैनात होंगे। इसके लिए कार्मिकों का बूथवार रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। पंचायत चुनाव को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। मतदान को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी पौड़ी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि इस रेंडमाइजेशन के बाद मतदान कार्मिकों की टीमों का गठन किया जाएगा और कार्मिकों को ब्लॉक भी आवंटित हो जाएंगे। पौड़ी जिले के पंद्रह ब्लाकों में पंचायत चुनावों के लिए 1191 पोलिंग सेंटर बने हैं। इसमें 6580 कार्मिक तैनात किए गए है। जिले की विभिन्न पंचायतों सीटों के लिए कुल 9762 को लेकर 6887 नामांकन पत्र दाखिल हुए है। कंट्रोल रूम प्रभारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि ग्राम पंचायत सदस्य के 2468, ग्राम प्रधान के लिए 2902, बीडीसी के लिए 1336 सहित सदस्य जिला पंचायत के लिए 181 नामांकन हुए है। अब इनकी जांच की जा रही है।

हाई अल्टीटयूड अल्ट्रा मैराथन से मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए।

कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सीमांत एवं पर्वतीय क्षेत्रों में फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़/सोलर फेंसिंग के संबंध में विस्तृत योजना बनाने को कहा। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

तेज बारिश से सड़कों में हुए गड्ढे, लोगों को उठानी पड़ रही परेशानी

नई टिहरी : सोमवार सुबह के समय शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने आम लोगों की परेशानियां बढ़ा दीं। तेज बारिश से बंद नालियों के चलते सड़कों पर पानी बहने से आम लोगों को आवाजाही में जहां परेशानी उठानी पड़ी, वहीं सड़कों पर किया गया पैचवर्क उखड़ने से सड़कों पर गड्ढे पड़ गये। पानी की निकासी नहीं होने से बौराड़ी स्टेडियम पानी से लबालब भर गया। नई टिहरी में सुबह लगभग 7 से 10 बजे तक हुई तेज बारिश ने शासन-प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों की पोल खोल दी। जिला मुख्यालय नई टिहरी में नालियां बंद होने से सड़कों पर वाहन चलाना किसी चुनौती से कम नहीं रहा। वहीं पैदल राहगीरों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं बालगंगा तहसील के मांदरा गांव में बारिश के बाद भूस्खलन से सैकड़ों नाली भूमि तबाह हो गई। केंद्रीय विद्यालय जूनियर सेक्सन, एच ब्लॉक, आंचल डेयरी, जे ब्लॉक, मोलधार, वाल्मीकि बस्ती, सेक्टर 5ए, सेक्टर 9बी, बौराड़ी, ढुंगीधार में जगह-जगह सड़कों पर बारिश का पानी बहता दिखा। निर्माणाधीन केंद्रीय विद्यालय का मलबा आंचल डेयरी क्षेत्र में इस कदर फैल गया कि वहां से यातायात बंद करना पड़ा। स्थानीय निवासी मान सिंह कंडारी, जोत सिंह चौहान, राकेश सिंह, होशियार सिंह, अमित चमोली, विजय सिंह आदि ने बताया कि भारी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ाने काम किया है।

दस लीटर कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

नई टिहरी : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत शराब तस्करी की रोकथाम को चलाई जा रही कार्यवाही के तहत कैंपटी थाना पुलिस ने 10 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर पंचायत चुनाव को देखते हुए अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कैंपटी पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम कोडी यात्री शेड से आरोपी गजेन्द्र सिंह पुत्र देव सिंह निवासी ग्राम श्रीकोट, तहसील नैनबाग थाना कैम्पटी को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। थाना कैम्पटी में आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। (एजेंसी)

निर्वाचन की समस्त विधाओं की जानकारी हासिल कर लें : सीडीओ

अगस्त्यमुनि में 455 कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु सोमवार को अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा हॉल में प्रथम पीठासीन अधिकारियों को निर्वाचन संबंधित सामान्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण ले रहे अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे निष्ठा और पारदर्शिता के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्मिकों से आह्वान किया कि वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समय पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों को बिना किसी तनाव के निर्वाचन संबंधी कार्यों का सफल निष्पादन करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन के संबंध में जानकारी हासलि कर लें।

इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट एवं द्वितीय मास्टर ट्रेनर मनोज बिष्ट द्वारा निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रक्रियात्मक दिशा-निर्देशों से अधिकारियों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण सत्र में कुल 459 कार्मिकों में से 455 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे, जो निर्वाचन व्यवस्था के प्रति उनकी जिम्मेदारी एवं सजगता को दर्शाता है। प्रशिक्षण में मतपेटी संचालन, मतपत्र लेखा, पीठासीन डायरी, टेंडर वोट अभिकर्ताओं की नियुक्ति, पोलिंग बूथ की व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, मतदाता पर्ची, समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत मार्ग दर्शन दिया गया तथा प्रशिक्षण में अर्जित जानकारी पर सवाल-जवाब और शंकाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीण भट्ट, मतपेटी नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट एवं सूचना विज्ञान अधिकारी दीप्ति चमोली सहित अन्य उपस्थित रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 4382 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

पंचायत चुनाव में चमोली की 2599 महिलाओं ने किया नामांकन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जनपद में नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। जनपद में जिला पंचायत सदस्य, प्रधान ग्राम पंचायत, सदस्य ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिए कुल 4382 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। जिले में सभी पदों के लिए 2599 महिला प्रत्याशियों ने नामांकन किया है।

चमोली जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए जिला पंचायत की 26 सीटों के लिए 138 प्रत्याशियों की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। जबकि क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिए 799, प्रधान ग्राम पंचायत 1660 और सदस्य ग्राम पंचायत के लिए 1785 प्रत्याशियों की ओर से नामांकन किया गया है। ऐसे में चमोली में नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सभी पदों के लिए 4382 प्रत्याशियों का नामांकन हुआ है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के तहत 7 से 9 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जिसके बाद 10 व 11 जुलाई को नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। नाम वापसी के बाद प्रथम चरण के चुनाव के लिए 14 जुलाई को प्रतीक आवंटन किया जाएगा। जबकि द्वितीय चरण के चुनाव के लिए 18 जुलाई को प्रतीक आवंटन किया जाएगा।

बदरीनाथ राजमार्ग पांच घंटे बाद खुला

चमोली : मौसम विभाग का अलर्ट और पहाड़ों में जारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड जोन सक्रिय हो जा रहे हैं। सोमवार को बदरीनाथ राजमार्ग सिरोबगड़ के पास मलबा और बोल्डर आने से यातायात प्रभावित रहा। देर रात्रि से जारी बारिश से सुबह पांच बजे राजमार्ग यातायात के लिये बाधित हुआ। इस दौरान श्रीनगर से रुद्रप्रयाग, चमोली सहित बदरीनाथ-केदारनाथ व हेमकुंड साहिब की यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को काफी देर तक राजमार्ग खुलने का इंतजार करना पड़ा। श्रीनगर पुलिस ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें कलियासौड़ चौकी के समीप रोका। रुद्रप्रयाग जनपद की सीमा से लगे सिरोबगड़ में एनएच लोनिवि की मशीनों ने काफी मशक्कत के बाद राजमार्ग को सुचारु किया। बदरीनाथ राजमार्ग बारिश रुकने के बाद करीब 10 बजे यातायात के लिये खुल पाया। चौकी प्रभारी कलियासौड़ विजय सैलानी ने बताया कि बारिश में सिरोबगड़ जोन एक्टिव हो जा रहा है। मलबा पत्थर राजमार्ग पर आने से आवागमन करने वाले लोगों को रोका गया जबकि राजमार्ग को पांच घंटे बाद सुचारु किया गया। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम KRISHNA RAJPOOT भूलवश दर्ज हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम KRISHNA RAJPUT है, जो कि सही एवं सत्य है। अतः मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम KRISHNA RAJPUT दर्ज किया जाय।

No- JC-534415K NB SUB हरनाम सिंह राजपूत पुत्र हुकुम सिंह राजपूत निवासी ग्राम पतहारी, पो0ओ0 परसोन, सागर, मध्य प्रदेश।

(01077/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम अगम्य भूलवश दर्ज हो गया है, जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम अगम्य पोखरियाल (AGHMYA POKHRIYAL) है, जो कि सही एवं सत्य है। अतः मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम अगम्य पोखरियाल (AGHMYA POKHRIYAL) दर्ज किया जाय।

आर्मी नम्बर- 4083968A Rank LNK सचिता नन्द पुत्र केशवानन्द पोखरियाल निवासी ग्राम ग्रास्टनगंज, पोस्ट ऑफिस कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, पिन - 246149।

(01078/21)

संक्षिप्त समाचार

बेटे को छोड़ने रेलवे स्टेशन गई मां का मंगलसूत्र झपटा

हल्द्वानी। बेटे को छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन गई मां के गले से अज्ञात चोरों ने मंगलसूत्र झपट लिया और चलती ट्रेन में फरार हो गए। जीआरपी ने मामले में पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। फुटहिल सिटी कॉलोनी कमलुवागांजा निवासी आनंदी कुंजवाल ने जीआरपी को दी तहरीर में कहा कि पांच जुलाई को वह अपने बेटे को आगरा के लिए ट्रेन में बैठाने को रेलवे स्टेशन पंतनगर पहुंची। आरोप है कि इस बीच एक अज्ञात शख्स ने झपट्टा मारकर उनके गले का मंगलसूत्र छीन कर चलती ट्रेन में चढ़कर फरार हो गए। महिला ने कहा कि उसके पास ट्रेन का टिकट नहीं था, अन्यथा वह चोरी के आरोपी का पीछा करती। वहीं जीआरपी थानाध्यक्ष नरेश कोहली ने बताया कि महिला शिकायतकर्ता की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीसीटीवी से आरोपी को चिन्हित किया जा रहा है।

छात्र–छात्राओं को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान बताए

विकासनगर। शिवालिक एकेडमी में एक जुलाई से सात जुलाई तक वन महोत्सव सप्ताह बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण अभियान की भी शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य छात्रों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक करना था। सप्ताह की शुरुआत में सभी छात्रों और शिक्षकों ने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ ली। यह शपथ विद्यालय कप्तान प्रियांशी द्वारा दिलाई गई। सप्ताह भर छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, और पर्यावरण जागरूकता पर आधारित गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें छात्रों ने स्वनिर्मित स्लोगन, चित्रों के माध्यम से प्लास्टिक से दूर रहने और पेड़ लगाने का संदेश दिया। इस अभियान की जिम्मेदारी विद्यालय की शिक्षिकाओं गुंजन पंत, उमा पुंडीर, ऋतु त्यागी, प्रियंका त्यागी, शम्मी चौहान को सौंपी गई थी, जिन्होंने इसे पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न किया। विद्यालय के हेड ब्वॉय प्रिंस भंडारी, हेड गर्ल जया दास, और स्कूल कैप्टन तन्मय ने मंच से सभी छात्रों को प्रेरित किया कि वे प्लास्टिक का उपयोग न करें और अधिक से अधिक पौधरोपण करें। इसके साथ ही विद्यालय के कई विद्यार्थियों जिसमें वंशिका, मुदित, जिया सोनाक्षी, आयत, प्रियांशी, अधिकांश, नैतिक, अनुष्का, सविता, आद्या ने भी अपने चित्रों, स्लोगन, बैनर्स के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संदेश दिया।

धर्म की ओर उन्मुख होने के लिए चार्तुमास प्रभावी माध्यम: सौरभ सागर

देहरादून। जैन महामुनि राज आचार्य सौरभ सागर महाराज ने 31 वें पुष्प वर्षायोग के लिए दून पहुंचने पर सोमवार को जैन भवन में पत्रकारों से बातचीत की और जैन धर्म के विभिन्न सिद्धांत, तत्वों, जैनाचार संहिता के संदर्भ को अपनी वाणी में व्यक्त किया। गांधी रोड स्थित जैन धर्मशाला जैन भवन में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा कि वर्षा योग समाज को हरियाली से भरने का पर्व है। समाज को वैदिक आचरण, सदाचार, अहिंसा, खानपान की युति, स्वास्थ्य लाभ चातुर्मास में अपनाएं गए संकल्प से होता है। समाज की भलाई के लिए धर्म की ओर उन्मुख होने के लिए चातुर्मास एक प्रभावी माध्यम है। अगले चार माह सारे देवगण सो जाते हैं लेकिन संत जागृत रहते हैं। उन्होंने कहा कि नौ जुलाई को मंगल कलश स्थापना होगी, इसके साथ ही छह वर्ष बाद उन्हें दून में वर्षा पुष्प योग का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म युवाओं को वह सामर्थ्य प्रदान करे कि वह समाजपयोगी भूमिका में आएं। इसके लिए जरुरी है कि हम नई पीढ़ी को उचित वातावरण देते हुए नैतिकता, मानवता और धर्म के मार्ग से जोड़े। धर्म के विकृत स्वरुप पर उन्होंने कहा कि यह पहचानना जरुरी है कि सच्चा संत कौन है, सच्चे संत का सानिध्य बेहद जरुरी है।

मास्टर प्लान में पहाड़ी शैली का रखा जाए ख्याल: गर्ब्याल

देहरादून। उत्तरकाशी के सीमांत वाइब्रेंट विलेज जादुंग में पर्यटन गतिविधियों को विकसित करने से जुड़ी योजनाओं की सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल ने सोमवार को समीक्षा की। सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में सचिव पर्यटन ने जादुंग मास्टर प्लान से जुड़े सभी कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। निर्देश दिए कि क्षेत्र की पारंपरिक पहाड़ी शैली को संरक्षित रखते हुए वुडन साइन बोर्ड का प्रयोग किया जाए। ताकि पर्यावरण एवं स्थानीय संस्कृति की मूल भावना बनी रहे।

तो क्या पिछड़ी जाति के चक्कर में पिछड़ जाएगी ग्राम पंचायत डांगी

प्रधान नहीं तो क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य भी मंजूर नहीं है, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का किया जाएगा बहिष्कार

कल्जीखाल ब्लॉक के ग्राम डांगी में बैठक को संबोधित करते हुए ग्रामीण।

जगमोहन डांगी।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत डांगी में प्रधान पद बार-बार पिछड़ी जाति महिला आरक्षित होने से ग्राम पंचायत विकास में पिछड़ गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण प्रधान पद पर नामांकन नहीं हो पाया। ग्रामीणों का कहना है कहा कि पंचायत चुनाव में प्रधान पद के लिए नामांकन न होने के कारण प्रधान का चुनाव नहीं हो पायेगा, ऐसे में हर छोटे-बड़े कार्य के लिए ब्लॉक मुख्यालय प्रशासक एडीओ पंचायत के पास चक्कर काटने पड़ेंगे।

गत रविवार को निवर्तमान प्रधान भगवान सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्राम पंचायत डांगी के ग्राम डांगी के ग्रामीणों ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत में प्रधान पद बार-बार पिछड़ी जाति महिला आरक्षित किया जाता है। जिस कारण बाद में आरक्षण परिवर्तन करने में एक साल लग जाता है। जिस कारण ग्राम पंचायत की विकास की गति रुक जाती है। साथ ही सरकारी तंत्र का भी अनावश्यक खर्च होता है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान पद पिछड़ी जाति महिला आरक्षित होने पर समय रहते आपत्ति दर्ज कर दी थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। जबकि 2014 में भी इसी प्रकार प्रधान पद पिछड़ी जाति महिला आरक्षित सीट कर दी थी और उस समय भी प्रमाण पत्र का पेच फंस गया था। तत्कालीन जिलाधिकारी के आदेशों पर अंतिम समय में तहसील प्रशासन ने प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया था, लेकिन 2014-15 के बाद डांगी गांव को राजपूत सुनार होने के कारण ओबीसी प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। लेकिन प्रधान पद और आंगनबाड़ी दोनों पद महिला ओबीसी आरक्षित है। जिस कारण ग्राम पंचायत डांगी के अन्य राजस्व गांवों को जिनका ओबीसी पिछड़ा वर्ग से कोई लेना देना नहीं उन्हें भी इस संवैधानिक संकट से जूझना पड़ रहा है। बैठक में वरिष्ठ नागरिक वीर सिंह चौहान, अर्जुन सिंह लिंगवाल, धीरज सिंह चौहान, दिनेश लिंगवाल, कांता देवी, पुष्पा देवी, दमयंती देवी, सुशीला देवी, महिला मंगल दल अध्यक्ष श्रीमती नीतू लिंगवाल, युवा मंगल दल अध्यक्ष विनोद कुमार, अंकित नेगी, कुमारी वृंदा रावत सहित समस्त ग्रामवासियों ने एकजुट होकर जिलाधिकारी को लिखे ज्ञापन में हस्ताक्षर कर चुनाव बहिष्कार का समर्थन किया है।

आज जिलाधिकारी से मिलेगा ग्रामीणों का शिष्टमंडल

गत रविवार को निवर्तमान प्रधान भगवान सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि निवर्तमान प्रधान के नेतृत्व में मंगलवार को एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। उसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाग लेना है या नहीं यह जिलाधिकारी के साथ बातचीत करने पर स्पष्ट हो पाएगा। ज्ञात हो कि विगत दस वर्षीय पंचायत कार्यकालों में क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने ग्राम पंचायत डांगी में एक धेला का विकास नहीं किया। जिला पंचायत सदस्य ने थोड़ा बहुत क्षमता के अनुसार जरूर कार्य किया है। लेकिन क्षेत्र पंचायत सदस्यों जीतने के बाद ग्राम पंचायत में खुली बैठकों में तक नहीं आते हैं। ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि जब हमारा प्रधान पद का चुनाव नहीं हो रहा है तो हम अन्य पंचायत पदों पर क्यों मतदान करें।

ग्राम पंचायत डांगी से नहीं हुआ प्रधान और सदस्य पद के लिए नामांकन

कल्जीखाल ब्लॉक में चुने गए एक दर्जन निर्विरोध प्रधान, घोषणा होने का इंतजार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल में एक दर्जन निर्विरोध प्रधान बनने का रास्ता साफ हो गया है, लेकिन अभी आरओ द्वारा आधिकारिक घोषणा बाकी है, जो नामाकंन पत्रों की जांच के बाद होगी। वहीं डांगी ग्राम पंचायत में प्रधान एवं पंचायत सदस्य पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया है। ग्राम पंचायत डांगी में प्रधान पद ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किया गया है, लेकिन गांव में ओबीसी महिला न होने के कारण प्रधान पद के लिए नामांकन नहीं हो पाया है। विकासखंड कल्जीखाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया गतिमान है। 87 ग्राम पंचायतों में 216 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। क्षेत्र पंचायत के 23 पदों पर 77 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं 87 ग्राम पंचायतों में 609 पंचायत सदस्यों के लिए मात्र 70 प्रत्याशियों ने ही नामांकन किया है। जबकि विकासखंड

कल्जीखाल दो जिला पंचायत सीट गढ़कोट और थैर पर 7 नामांकन पत्र दाखिल किये गये है। विकासखंड कल्जीखाल ब्लॉक में लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायतों में निर्विरोध प्रधान बनना लगभग तय है। हालांकि अभी घोषणा नहीं हुई है। क्षेत्रीय निर्वाचन अधिकारी आरओ अरविंद कुमार ने बताया नामांकनों पत्रों की जांच प्रक्रिया गतिमान है। 9 जुलाई के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी कि विकासखंड कल्जीखाल में प्रधान पदों पर कितने निर्विरोध प्रधान चुने गए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिका पद भी रिक्त

ग्राम पंचायत में विगत दो वर्षों से आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका पद भी ओबीसी पिछड़ी जाति के लिए आरक्षित कर दिया गया था, जिस कारण दोनों रिक्त पदों की भरपाई नहीं हो पाई है। जिसके चलते ग्राम पंचायत में सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिका अपने पद से सेवानिवृत हो गए है। दो साल बाद शासन द्वारा रिक्त पदों लिए विज्ञप्ति जारी की गई, लेकिन दोनों पद महिला ओबीसी आरक्षित कर दी गई, लेकिन ग्राम पंचायत में ओबीसी महिला नहीं होने से पद आज भी रिक्त है। जिस कारण केंद्र एवं राज्य द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है।

सीएम धामी ने की केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि, ग्राम्य विकास एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर प्रदेश की कृषि एवं उससे जुडी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विसतार के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य के पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों की कृषि एवं बागवानी आवश्यकताओं तथा किसानों की आर्थिक सुदृढ़ता हेतु राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई प्रस्तावित योजनाओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि उत्तराखण्ड सरकार ने कृषि एवं बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगभग 3800 करोड़ रुपये की व्यापक योजनाएं तैयार की हैं। इन योजनाओं में नवाचार, यंत्रीकरण, तकनीकी समावेशन एवं पारम्परिक कृषि को बढ़ावा देने जैसे विविध पहलुओं को शामिल किया गया है। केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा राज्य की कृषि संबधि योजनाओं हेतु 3800 करोड की सैद्धांतिक सहमति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहयोग राज्य के कृषि क्षेत्र को आत्मर्निभर और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य में पर्वतीय क्षेत्रों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने हेतु कृषि बाड़ निर्माण के लिए 1,052.80 करोड़ रुपये की आवश्यकता चिह्नित की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य में 10,000 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने हेतु 400 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित की गई है, जिससे लघु, सीमांत किसान एवं महिलाएं लाभान्वित होंगी। पारम्परिक पोषक फसलों को बढ़ावा देने के लिए स्टेट मिलेट मिशन के अंतर्गत 134.89 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हेतु राज्य को सीड हब के रूप में विकसित करने के लिए 5 करोड़ रुपये की योजना भी तैयार की गई है। सेब उत्पादन को प्रोत्साहन, भंडारण और विपणन तंत्र को सुदृढ़ बनाने हेतु 1,150 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है। नकदी फसलों जैसे कीवी के संवर्धन एवं खेती को वन्यजीवों से संरक्षित करने हेतु 894 करोड़ रुपये की आवश्यकता दर्शाई गई है। कृषि व बागवानी क्षेत्र में नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए 885.10 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। ड्रैगन फ्रूट जैसी कम जोखिम वाली फसलों को प्रोत्साहित हेतु 42 करोड़ रुपये की योजना भी तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में राज्य सरकार सक्रियता से कार्य कर रही है। जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु विश्लेषण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए 36.50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण और डिजिटल सर्वेक्षण के लिए के अंतर्गत 378.50 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित की गई है। इसके साथ ही पंतनगर विश्वविद्यालय के माध्यम से युवाओं को कृषि क्षेत्र में दक्ष बनाने हेतु 14 करोड़ रुपये तथा एग्रीटूरिज्म स्कूल की स्थापना हेतु 14 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है। उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार में माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 16.11 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

शिलगूर महाराज की पालकी रात्रि प्रवास के लिए विकासनगर पहुंची

विकासनगर। हाजा गांव से शिलगूर महाराज की देव पालकी रात्रि प्रवास के लिए विकासनगर पहुंचीं। इस दौरान पालकी का जगह–जगह स्वागत किया गया। देव पालकी के विकासनगर पहुंचते ही आसपास के लोगों ने दर्शन कर महाराज से सुख–शांति की कामना की। जौनसार बावर क्षेत्र में मन्नत पूर्ण होने पर पालकी को रात्रि प्रवास के लिए अपने घर पर आमंत्रित करने की परंपरा है। लोग अपने अराध्य को अपने घर की सुख शांति के लिए घर में आमंत्रित करते हैं। हाजा गांव निवासी आलम खन्ना के परिवार ने कई वर्षों पूर्व हाजा गांव स्थित शीलगूर महाराज मंदिर में अपने परिवार की सुख शांति की कामना की थी। परिवार की मनोकामनाएं पूर्ण होने पर सोमवार को शिलगूर महाराज मंदिर हाजा से देव पालकी ने आलम खन्ना के निजी आवास विकासनगर के लिए प्रस्थान किया। इससे पूर्व सुबह शुभ मुहूर्त ढोल दमाऊं के साथ देवपालकी को मंदिर के गर्भ गृह से बाहर निकाला गया। देवता के बाहर आते ही ग्रामीणों ने शिलगूर महाराज के जयकारे लगाए। इस दौरान देवता के पुजारी रामलाल शर्मा, देवता के वजीर श्याम सिंह नौटियाल, भंडारी फकीरचंद नौटियाल, दौलत राम नौटियाल, रघुवीर नौटियाल, देव माली अर्जुन चौहान, नंदा राम नौटियाल, सुनील नौटियाल सहित सभी ग्रामीण मौजूद रहे।

मेयर शंभू पासवान के समर्थन में उतरे शांतिनगर के लोग

ऋषिकेश। शांतिनगर में सड़क निर्माण कार्य रोकने से क्षेत्रवासी खफा हैं। विभिन्न वार्डों के पार्षदों के साथ क्षेत्रवासी मेयर के समर्थन में उतर गए हैं। सोमवार को नगर निगम पहुंचकर उन्होंने मेयर शंभू पासवान के पक्ष में नारेबाजी की। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य रोकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चेताया कि विकास कार्य रोकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। बीती शनिवार परशुराम चौक के पास खोदी गई सड़क को लेकर कुछ लोगों का मेयर शंभू पासवान से विवाद हो गया था। इस दौरान मेयर के साथ अभद्रता करने का भी आरोप लगा। घटना से नाराज लोग विभिन्न वार्डों के पार्षदों के साथ सोमवार को नगर निगम पहुंचे। जहां उन्होंने मेयर शंभू पासवान के समर्थन में नारेबाजी की। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने कहा कि शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है। इसके लिए सड़क खोदकर उसका लेवल नीचे करने के साथ ढलान दी जा रही है, लेकिन कुछ लोग विकास कार्य में बाधा डाल रहे हैं। जिसके समर्थन में विभिन्न वार्डों के पार्षद बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों को लेकर मेयर को समर्थन देने पहुंचे है।

पूर्व पार्षद बृजपाल राणा ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य रोकने से लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है। इसलिये विकास कार्यों का विरोध करना उचित नहीं है। भाजपा नेता एकांत गोयल ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप ही सड़क निर्माण कार्य हो रहा है। शांतिनगर क्षेत्र में कुछ लोगों के अतिक्रमण करने से जलभराव की समस्या बनी है। नाले के मूलस्वरूप को बंद कर अतिक्रमण कर दिया गया है। मूल नाला बंद होने से बरसाती पानी सड़क पर जमा हो रहा है। उन्होंने जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की। इस दौरान पार्षद पायल बिष्ट, संध्या बिष्ट, सुनीता भारद्वाज, रेहा ध्यानी, किशन मंडल, दीपक बिष्ट, प्यारेलाल जुगरान, अरुण बडोनी, शिवकुमार गौतम, राजू शर्मा, सोनू पाण्डेय, नितिन सक्सेना, कविता शाह, रुचि जैन, ललन राजभर, जितेन्द्रपाल पाठी, हरपाल सिंह, सरेन्द्र मौर्य, सुभाष सैनी, सत्यवीर तोमर, प्रवीणसिंह, नीरज सहरावत, विपिन चौहान, मनोज शाण्डिल्य, रमेश अरोड़ा, नंद किशोर जाटव, रामरतन शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, विकास तेवतिया, रीता गुप्ता, बचनी देवी, उर्मिला देवी, संदीप कुमार, पूनम, ज्योति,सरला राणा, संदीप शास्त्री, विशाल कक्कड़, संजय गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

त्यूणी टैक्सी स्टैंड पर पीने के पानी के लिए दर–दर भटकते हैं यात्री

विकासनगर। त्यूणी के टैक्सी स्टैंड पर यात्रियों के लिए पेयजल तक की व्यवस्था नहीं है। यात्री पेयजल के लिए इधर–उधर भटकने को मजबूर हैं। टैक्सी स्टैंड से रोजाना 50 से अधिक टैक्सियों का संचालन किया जाता है। स्थिति यह है कि यात्री खुद पीने का पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझाते हैं। त्यूणी कस्बा जौनसार बावर, उत्तरकाशी और हिमाचल प्रदेश के सौ से अधिक गांवों का केंद्र बिंदु होने के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। यहां जौनसार बावर के गांवों के साथ ही हिमाचल प्रदेश और उत्तरकाशी के गांवों के लिए छोटे यात्री वाहनों का संचालन होता है। जबकि हर दिन खरीरदारी के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचते हैं। अधिकांश ग्रामीण छोटे यात्री वाहनों से ही आवागमन करते हैं, जो टैक्सी स्टैंड पर रुकते हैं। ऐसे में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने से यात्री परेशान हो जाते हैं। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए पीने के पानी व्यवस्था करना मुश्किल हो जाता है। मजबूरी में लोगों को खरीदकर पानी पीना पड़ता है। स्थानीय निवासी विनोद कुमार, धर्म सिंह राणा, बिट्टू, प्रवीण, रामचंद्र, भरत सिंह, रविंद्र, जगवीर, विरेंद्र ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को तो परेशानी होती है। वहीं यहां छोटे–छोटे व्यवसायी हैं जो दुकान संचालित करते हैं, उन्हें भी अव्यवस्था को लेकर परेशानी होती है।

पार्किंग निर्माण के लिए शासन को भेजा प्रस्ताव

हल्द्वानी। महिला अस्पताल में लंबे समय से पार्किंग की मंजूरी का इंतजार कर रहे प्रबंधन के लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलाधिकारी ने अस्पताल में पार्किंग की मंजूरी के लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। शासन से मंजूरी मिलते ही पार्किंग निर्माण का कार्य पूरा कराया जाएगा। जिससे अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों व तीमारदारों को राहत मिलेगी। हल्द्वानी के महिला अस्पताल में 10 करोड़ की लागत से 50 बेड के नए भवन का निर्माण किया जा रहा है। भवन में पार्किंग की मंजूरी नहीं मिलने से निर्माण एजेंसी व अस्पताल प्रबंधन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पार्किंग की समस्या का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लिया।

कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था नहीं सुधरी तो रोका जाएगा भुगतान : नमामि बंसल

विकासनगर। शीमबाड़ा कूड़ा निस्तारण प्लांट में व्याप्त अव्यवस्थाओं की लगातार मिल रही शिकायत के बाद सोमवार को नगर आयुक्त नमामि बंसल ने प्लांट पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान प्लांट से उठने वाली दुर्गंध और खुले में बह रहे लीचेट को देखकर वह बिफर पड़ीं।

उन्होंने इस दौरान प्लांट हेड और कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दुर्गंध और लीचेट को तत्काल रोकने के निर्देश दिए। कहा कि अगर जल्द व्यवस्थाएं नहीं सुधरेगी तो कंपनी का भुगतान रोक कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस दौरान स्थानीय लोगों ने नगर आयुक्त के सामने प्लांट की व्यवस्थाओं को लेकर जमकर अपना आक्रोश व्यक्त किया और व्यवस्थाओं में

सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। दरअसल, शीशमबाड़ा स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट से उठ रहे दुर्गंध से सेलाकुई और आसपास की करीब पचास हजार की आबादी का जीना मुहाल हो रखा है। साथ ही प्लांट से निकल रहा लीचेट आसन नदी के साथ ही आसपास के खेतों को भी दूषित कर रहा है। स्थानीय लोग कई बार प्लांट को दूसरी जगह शिफ्ट करने और अव्यवस्थाओं को लेकर कई बार आंदोलन कर चुके हैं। लेकिन अभी तक न तो प्लांट शिफ्ट हुआ और न ही प्लांट में व्याप्त अव्यवस्थाएं सुधरी हैं।

दो जुलाई को विधायक सहसपुर सहदेव सिंह पुंडीर के नेतृत्व में सेलाकुई के सभासद और जनप्रतिनिधि जिलाधिकारी के साथ ही नगर आयुक्त से मिले और कूड़ा निस्तारण प्लांट की व्यवस्थाओं को सुधारने को कहा। ऐसा नहीं होने पर विधायक ने प्लांट पर ताला लगाने की चेतावनी दी थी। जिसके बाद सोमवार को नगर आयुक्त ने नगर निगम स्वास्थ्य अनुभाग के अधिकारियों के साथ शीशमबाड़ा प्लांट पहुंची और प्लांट का निरीक्षण किया।

शांतिकुंज ने अंध विद्यालय के 448 विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूल बैग किट

हरिद्वार, गायत्री परिवार की संस्थापिका परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा विविध रचनात्मक कार्यक्रमों की शृंखला चलाई जा रही है। इसी क्रम में मां भगवती देवी अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत सोमवार को गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज की व्यवस्था मंडल प्रमुख श्रीमती शैफाली पंड्या के नेतृत्व में अजरानंद अंध विद्यालय, सप्तऋषि क्षेत्र, हरिद्वार के 448 विद्यार्थियों को स्कूल बैग किट वितरित किए गए। इस दौरान कक्षा 1 से 10 तक के 448 विद्यार्थियों को वितरित किए गए प्रत्येक किट में कॉपियाँ, पेन, पेंसिल, पानी की बोतल सहित अन्य आवश्यक

शैक्षणिक सामग्री सम्मिलित थी। बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास की झलक स्पष्ट दिखाई दी। इस अवसर पर गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज की व्यवस्था मंडल प्रमुख श्रीमती शैफाली पंड्या ने कहा, दिव्यांग बच्चों में भगवान की विशेष अनुकंपा रहती है। वे कम समय में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम उनके शिक्षण में यथासंभव सहयोग करें।

कार्यक्रम में गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज के व्यवस्थापक श्री योगेन्द्र गिरि ने कहा कि इन बच्चों का सहयोग करना समाज की जिम्मेदारी है। ऐसे प्रयासों से बच्चों का आत्मबल बढ़ता है और वे आगे चलकर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं। इस अवसर पर श्री अजय त्रिपाठी, श्री मंगल गढ़वाल, अजरानंद अंध विद्यालय की ओर से अध्यक्ष स्वामी स्वयमानंदजी, उपाध्यक्ष विचित्रानंद जी एवं प्रधानाचार्य श्री पवन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के लिए गेम चेंजर साबित होगी रोजगार प्रोत्साहन योजना

देहरादून। केंद्र सरकार की प्रस्तावित रोजगार प्रोत्साहन योजना (एम्लायमेंट लिंक्ड इंसेटिव स्कीम) उत्तराखंड के लिए गेम चेंजर साबित होगी। देहरादून रीजन के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त विश्वजीत सागर ने कहा कि एक अगस्त से शुरू हो रही इस योजना से उत्तराखंड में रोजगार के नए मौके मिलेंगे। खासतौर पर विनिर्माण क्षेत्र में नए लोगों को रोजगार मिलेगा। जीएमएस रोड स्थित ईपीएफओ कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कमिश्नर विश्वजीत सागर ने रोजगार प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना दो साल के लिए है। देहरादून रीजन में ईपीएफओ ने योजना को लागू करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसमें विनिर्माण सेक्टर को फोकस किया जा रहा है, क्योंकि उत्तराखंड में यह सेक्टर तेजी से उभर रहा है और इसमें ही नए रोजगार की संभावनाएं सबसे जयादा हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ नए कर्मचारी की नियुक्ति के लिए है। यानी जो व्यक्ति नियोक्ता के जरिए पहली बार ईपीएफओ का सदस्य बन रहा है, उसे और उसके नियोक्ता को ही इसका लाभ मिलेगा। कंपनी बदलने वालों को इसका फायदा नहीं मिलेगा। इससे साफ है कि यह योजना नए रोजगार सृजन के लिए है और योजना लागू होने पर रोजगार के नए मौके भी मिलेंगे। साथ 50 से कम कर्मचारियों वाली कंपनी को दो नए कर्मचारी और 50 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनी को पांच नए कर्मचारी नियुक्त करने होंगे। इन कर्मचारियों को कम से कम छह महीने की नियमित सेवा पर रखने पर ही योजना का लाभ मिल पाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com